Regarding renewal of services of Educational Motivators appointed under the Sakshar Bharat Mission Scheme in Uttar Pradesh

श्री दरोगा प्रसाद सरोज (लालगंज) : सभापति महोदया, आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने के लिए अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ ।

महोदया, साक्षर भारत मिशन के तहत एक नारा था- ?शिक्षा है अनमोल रत्न, पढ़ने का सब करो जतन?, लेकिन आज क्या हो रहा है? मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर, 2009 के अवसर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री महोदय द्वारा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से ?साक्षर भारत मिशन? का आगाज किया गया था । यह पूर्णतया केन्द्र प्रायोजित कार्यक्रम है । केन्द्र सरकार द्वारा साक्षर भारत मिशन के अंतर्गत पूरे देश में 5 लाख शिक्षा प्रेरकों की नियुक्ति हुई और हर ग्राम सभा में दो शिक्षा प्रेरकों की नियुक्ति हुई । इन्होंने इस मिशन के तहत घर-घर जाकर निरक्षरों को साक्षर करने का कार्य किया तथा समय-समय पर बीएलओ का कार्य भी किया । इस कार्य में सबसे ज्यादा महिलाओं ने अपना योगदान दिया ।

महोदया, अकेले हमारे उत्तर प्रदेश में 1 लाख शिक्षा प्रेरकों ने कार्य किया । 8 साल बाद वर्ष 2017 में पत्रांक संख्या 17,036 और 17,536 दिनांक 27 दिसम्बर को जिला समन्वयक, ब्लॉक समन्वयक एवं शिक्षा प्रेरकों के नवीनीकरण को प्रदेश सरकार द्वारा यह कहते हुए रद्द कर दिया गया कि जब तक केन्द्र सरकार आदेश नहीं आ जाता, तब तक इनकी बहाली या नवीनीकरण नहीं किया जाएगा । इनका लगभग 40 माह का मानदेय भी रोक कर रखा गया, तब से आज तक शिक्षा प्रेरक बेरोजगार हैं । इस वजह से उनके परिवार भुखमरी के शिकार हो गए हैं ।

महोदया, मेरा आपके माध्यम से सादर अनुरोध है कि उन लाखों शिक्षा प्रेरकों और उनके परिवार की भुखमरी को देखते हुए उक्त योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार से प्रदेश सरकार को उनके नवीनीकरण के लिए दिशा-निर्देश देने का कष्ट करें, ताकि उन लाखों बेरोजगारों एवं उनके परिवार का जीवन खुशहाल बन सके । इसके साथ ही, उनका रुका हुआ मानदेय भी दिलाया जाए । आपकी बड़ी कृपा होगी, धन्यवाद ।